

चालाक वि. (फा.) चतुर, कुशल, व्यवहार कुशल, दक्ष, पटु 2. धूर्त।

चालाकी स्त्री. (फा.) 1. चतुराई, निपुणता, दक्षता, पटुता 2. धूर्तता मुहा. चालाकी चलना या चालाकी खेलना- चालाकी करना, चालबाजी का कार्य करना 3. युक्ति, कौशल।

चालान पुं. (तत्.) 1. भेजे हुए पदार्थों की सूची अथवा फेहरिस्त; बीजक 2. भेजा हुआ माल अथवा रुपया अथवा उसका विवरण 3. पुलिस द्वारा अभियुक्तों या अपराधियों का विचार के लिए अदालत में भेजा जाना।

चालानदार पुं. (फा.) वह व्यक्ति जो भेजे हुए माल के साथ जाता है और जिसकी जिम्मेदारी पर माल भेजा जाता है जमादार 2. जिसके जिम्मे चालान तामील का कागज हो 3. चालान करने वाला।

चालिया वि. (देश.) चालबाज, धूर्त, छली-कपटी, धोखेबाज।

चालिस वि. (देश.) दस का चार गुना दे. 'चालीस'।

चाली वि. (देश.) चालिया, धूर्त 2. चंचल, नटखट स्त्री. 1. चाल, रस्म, चाल चलने का तरीका 2. गति 3. छतदार मकानों की बस्ती, कतार में बने हुए मकानों की बस्ती।

चालीस वि. (देश.) तीस और दस का योग (उनतालीस के आगे आने वाला अंक)।

चालीसवाँ वि. (तद्.) क्रम में उनतालीसवें के आगे पड़ने वाला अंक 2. चहल्लुम, मुस्लिम मृतक के मरने के चालीसवें दिन की जाने वाली रस्म, चिल्ला।

चालीसा पुं. (देश.) 1. चालीस पंक्तियों (चौपाइयों) की रचना जैसे हनुमान चालीसा, "शिव-चालीसा" आदि 2. चालीस दिवस का समय 3. चिल्ला 4. चालीस वर्षों का समय 5. चालीस वर्ष का व्यक्ति।

चालुका पुं. (तत्.) दक्षिण का एक प्रतापी राजवंश जिसने छठी सदी से तेरहवीं सदी तक शासन किया।

चाल्हा पुं. (देश.) नाव में बनी (निर्धारित) वह जगह जो नरिया के पास बांस की फट्टियों से पटी होती है और जहाँ नाव खेने वाले मल्लाह बैठते हैं।

चाव पुं. (देश.) 1. प्रबल इच्छा, अभिलाषा, लालसा 2. अरमान 3. प्रेम, रुचि, शौक, उत्कंठा, लाड़-दुलार 4. उमंग, उत्साह।

चावड़ी स्त्री. (देश.) पड़ाव, यात्रियों के रुकने ठहरने, विश्राम करने का स्थान, चूड़ी।

चावल पुं. (देश.) कोदो, सर्वाँ तथा धान आदि का भूसी-रहित सार अन्न अथवा इसका आग पर पकाया हुआ भात 2. तोल में एक रत्ती का आठवाँ भाग।

चाशनी (चाशिनी) स्त्री. (फा.) 1. चीनी या गुड़ को पानी सहित आँच पर पकाकर बनाया गया गाढ़ा लसीला पदार्थ, शीरा मुहा. चाशनी में पागना- मीठा करने के लिए चाशनी में डुबाना 2. किसी में थोड़े से मीठे की मिलावट 3. चसका, मजा 4. सुनार को देते समय सोने की पहचान के लिए रखा हुआ नमूना।

चाष पुं. (तत्.) 1. नीलकंठ पक्षी 2. आँख 3. यक्ष।

चासा पुं. (देश.) उड़ीसा की एक जनजाति जो खेती पर ही निर्भर रहती है 2. हलवाहा 3. कृषक, किसान।

चाह स्त्री. (देश.) 1. इच्छा, अभिलाषा, लालसा 2. प्रेम, अनुराग, आदर 3. माँग, जरूरत।

चाहक पुं. (देश.) 1. चाहने वाला व्यक्ति 2. प्रेम और अनुराग करने वाला पुरुष।

चाहत स्त्री. (देश.) चाह, इच्छा, लालसा 2. प्रेम।

चाहना स. क्रि. (देश.) 1. इच्छा करना, अभिलाषा करना 2. प्रेम या स्नेह करना 3. लेने या प्राप्त करने की इच्छा प्रगट करना, माँगना 4. प्रयत्न करना 5. उत्कंठापूर्वक देखना, ताकना, निहारना 6. ढूँढना, खोजना, तलाश करना या तलाशना स्त्री. (तत्.) 1. इच्छा, अभिलाषा 2. उत्कंठा, लालसा, प्रेम।